मौसम • इंदौर में दिन-रात के तापमान में 18.2 डिग्री का अंतर

मध्य प्रदेश से मानसून विदा होते ही इंदौर में पारा 35.2° पर पहुंचा

भास्कर संवाददाता | इंदौर

दक्षिण-पश्चिम मानसून शनिवार को पूरे मध्य प्रदेश से विदा हो गया है। इसके साथ ही मौसम के दो अलग रूप सामने आ रहे हैं। इंदौर में दिन की तेज गर्मी बनी हुई है। शनिवार को अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1.9 डिग्री ज्यादा है। वहीं रात का न्यूनतम तापमान 17 डिग्री (सामान्य से 3 डिग्री कम) रहा। दिन और रात के पारे में 18.2 डिग्री का भारी अंतर दर्ज हुआ है। मौसम विभाग ने मानसून की वापसी की पुष्टि करते हुए पश्चिमी मप्र में 8 और 9 अक्टूबर को कहीं-कहीं बारिश की संभावना भी जताई है। मौसम विशेषज्ञ शैलेंद्र कुमार नायक के मुताबिक अक्टूबर के पहले 15 दिन चेंज अवर के होते है। इसमें दिन गर्म और रातें अपेक्षाकृत ठंडी रहने का यही सामान्य ट्रेंड है।

इंदौर सहित 10 जिलों में सबसे कम बारिश

इंदौर, उज्जैन, शाजापुर, पांढुर्णा, बैतूल, हरदा, नर्मदापुरम, रतलाम, झाबुआ, धार और आलीराजपुर में प्रदेश की सबसे कम बारिश हुई है। इंदौर में 30 सितंबर तक बारिश 590.1 मिमी (करीब 23.2 इंच) रही। इस सीजन सामान्य से करीब 12.7 इंच बारिश कम हुई। इस कमी की भरपाई अब आसान नहीं दिख रही है। वहीं आलीराजपुर में 34.3 इंच पानी गिरना था, लेकिन 16.8 इंच ही गिरा। यह कोटे की आधी बारिश भी नहीं है। मप्र-छत्तीसगढ़ आर्थिक परिषद के सचिव डॉ. देवेंद्र विश्वकर्मा कहते हैं कि पश्चिमी हिस्से में कम पानी गिरने का असर सीधे तौर पर फसलों पर भी पड़ेगा। सोयाबीन का उत्पादन 2 से 3 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक हो सकता है। पानी की कमी से गेहूं-चने की फसलें भी प्रभावित होंगी।

अक्टूबर में इंदौर का रिकॉर्ड....

सबसे गर्म दिन
37.8° ↑
अधिकतम तापमान
22 अक्टूबर 2000

सबसे ठंडी रात
6.2° ↓
न्यूनतम तापमान
22 अक्टूबर 1999





प्रदेश का तापमान: ग्वालियर सबसे गर्म

शहर	अधिकतम	सामान्य से अंतर	न्यूनतम
इंदौर	35.2°	1.9° अधिक	17.0°
ग्वालियर	37.0°	2.2° अधिक	22.8°
उज्जैन	35.8°	1.7° अधिक	19.2°
जबलपुर	34.7°	2.2° अधिक	21.5°
भोपाल	33.5°	0.4° अधिक	18.0°

(सभी आंकड़ें डिग्री सेल्सियस में)

कहां, कब बदलेंगे हालात? (इंदौर व आसपास)

क्षेत्र	मौसम शुष्क रहेगा	बारिश की संभावना
पश्चिमी मप्र	4 से 7 अक्टूबर	8-9 अक्टू. को कहीं-कहीं
पूर्वी मप्र	4 से 6 अक्टूबर	7-9 अक्टू. को कहीं-कहीं

इंदौर पर असर : पारा 37 डिग्री तक जाएगा

गर्मी बढ़ेगी: मौसम विभाग के अनुसार इंदौर का अधिकतम तापमान 4 और 5 अक्टूबर को 36 डिग्री तक जा सकता है। इसके बाद 6 से 9 अक्टूबर तक पारा 37 डिग्री पहुंचने का अनुमान है।

बारिश पर संशय: पश्चिमी मप्र में 8-9 को बारिश का पूर्वानुमान पूरे मौसम उपखंड के लिए है। इंदौर शहर के पूर्वानुमान में आसमान साफ बताया गया है, इसलिए स्थानीय स्तर पर बारिश होना निश्चित नहीं है।

> **अक्टूबर की सर्वाधिक बारिश:** वर्ष 1985 में 230.3 मिमी

> **24 घंटे में अक्टूबर की सर्वाधिक बारिश :** 9 अक्टूबर 1985 को 157.4 मिमी

> **अक्टूबर में इंदौर का औसत अधिकतम तापमान :** करीब 32.8° और न्यूनतम 18.2° डिग्री रहता है।

संयोगितागंज क्षेत्र की घटना • नशे में चला रहे थे गाड़ी, 3 किमी पीछा कर पकड़ा

चेकिंग के लिए रोका तो दौड़ा दी कार, दो जवानों पर चढ़ाई, बैरिकेड्स तोड़ भाग निकले

भास्कर संवाददाता | इंदौर

संयोगितागंज क्षेत्र में शुक्रवार रात 12.30 बजे पीसी सेठी चौराहे पर देर रात चेकिंग चल रही थी। एक स्कॉर्पियो (MP09-AR, 1239) चालक को रोककर ब्रीथ एनालाइजर में फूंक मारने को कहा। चूंकि कार चालक नशे में था, इसलिए वह तुरंत गाड़ी में बैठा और जवानों पर गाड़ी चढ़ाकर, बैरिकेड्स तोड़ता हुआ भाग निकला। पुलिस ने करीब तीन किमी पीछा कर उसे तिलक नगर क्षेत्र में पकड़ लिया।

एसीपी नीति दंडोतिया ने बताया, जवान लाल साहब जाटव की शिकायत पर स्कॉर्पियो चालक अनुज मीणा निवासी कोलारी खातेगांव और शिवम बैरागढ़, देवास के खिलाफ जानलेवा हमला, ड्रिंक एंड ड्राइव और शासकीय कार्य में बाधा का केस दर्ज किया है। घटना स्थल पर सदर बाजार पुलिस लाइन में पदस्थ जाटव, थानेदार रमेश चंद्र मोनिया, राजेश मिश्रा और अन्य पुलिसकर्मी चेकिंग कर रहे थे।



घेराबंदी कर दोनों को दबोचा

प्रधान आरक्षक लाल साहब और राजेश मिश्रा टक्कर मारने के बाद भागे युवकों की जानकारी वायरलेस पर दी और कार का पीछा किया। तिलक नगर इलाके में घेराबंदी कर दोनों युवकों को पकड़ लिया गया। राजेश मिश्रा को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि जाटव का उपचार चल रहा है।

रात में घूमने निकला था शिवम

एसआई नरेंद्र जैसवार ने बताया, शिवम इंदौर में काम करता है, जबकि अनुज घूमने के लिए आया था। अनुज गाड़ी चला रहा था। दोनों को शनिवार का कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। गाड़ी पर दादा लिखा हुआ है साथ ही भाजपा की पट्टी लगी हुई है।

भास्कर इनसाइट

पहले भी चेकिंग में हो चुकी मारपीट

- 26 जुलाई को कनाड़िया में ड्रिंक एंड ड्राइव में कार जब्त करने के दौरान चार लोगों ने पुलिस टीम से हाथापाई की। तीन जवान घायल हुए और चार आरोपी गिरफ्तार हुए थे।
- 16 जनवरी को लसूड़िया में ड्रिंक एंड ड्राइव चेकिंग में चालक ने बैरिकेड तोड़कर पुलिसकर्मी रवि चंद्रवंशी को टक्कर मारी और फरार हो गया।
- 23 अगस्त सेंट्रल कोतवाली क्षेत्र के गुजराती स्कूल के पास नशे में कार चला रहे युवक और साथियों ने चेकिंग के दौरान होमगार्ड ब्रजेश से मारपीट की।

गुंडों के खिलाफ शिकायत नहीं सुनी तो टीआई जिम्मेदार

FIR में देरी और फरियादी से बदसलूकी पर अफसर-कर्मचारी की जवाबदेही तय होगी : पुलिस कमिश्नर

भास्कर संवाददाता | इंदौर

लचर पुलिसिंग को सख्त करने के लिए शनिवार को कमिश्नर संतोष सिंह ने बैठक की। उन्होंने सभी डीसीपी, एडिशनल डीसीपी, एसीपी और टीआई को स्पष्ट कहा कि बाउंड ओवर या सूचीबद्ध बदमाशों के दोबारा अपराध करने के मामले को भी गंभीरता से लिया जाएगा। ऐसे बदमाशों के खिलाफ थाने आने वाले पीड़ितों की सुनवाई में देरी या एफआईआर में टालमटोली बर्दाश्त नहीं होगी। थाने आने वालों से दुर्व्यवहार सामने आने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी पर दंडात्मक कार्रवाई होगी।

पलासिया स्थित पुलिस कंट्रोल रूम में शनिवार शाम कमिश्नर संतोष सिंह ने ये बैठक की। उन्होंने कहा कि हमें रिएक्टिव नहीं, प्रिवेंटिव पुलिसिंग करना है। जनता के बीच थानों की बीट और माइक्रो बीट में पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई जाए। सूचीबद्ध और बाउंड ओवर बदमाशों पर बीट के जवान नजर रखें।

मैदानी स्तर की पुलिसिंग दिखना चाहिए

कमिश्नर ने कहा कि अपराध नियंत्रण के साथ बीट पुलिसिंग, माइक्रो बीट, स्पेशल क्राइम यूनिट (SCU), साइबर अपराध और कानून व्यवस्था को बनाए रखें। इसके लिए डीसीपी, एडिशनल डीसीपी और एसीपी को जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना चाहिए। बीट केवल कागजों में नहीं, बल्कि मैदानी स्तर पर सक्रिय दिखना चाहिए।

कोरोना में अहम रोल निभाने वालों को प्रमोशन का इंतजार

भास्कर संवाददाता | इंदौर

कोरोना महामारी के दौरान वायरस के सैंपल की जांच करने और संक्रमण की निगरानी में अहम भूमिका निभाने वाले वैज्ञानिक वर्षों से प्रमोशन का इंतजार कर रहे हैं। भोपाल, इंदौर, रीवा और ग्वालियर की वायरोलॉजी लैब में कार्यरत 13 वैज्ञानिकों के लिए भर्ती के बाद आगे बढ़ने का स्पष्ट कैडर नहीं है। भोपाल में 2018 और इंदौर में 2019 से पद संभाल रहे वैज्ञानिक अब भी उसी पद पर हैं। यानी वायरस बदलते रहे, इनका अनुभव और विशेषज्ञता बढ़ती रही, लेकिन करियर की सीढ़ी आगे नहीं बढ़ी।

क्लास-1 अधिकारी हैं

वायरोलॉजी लैब में तैनात वैज्ञानिक क्लास-1 राजपत्रित अधिकारी हैं। उनका कहना है कि उनके लिए मेडिकल कॉलेजों के प्रोफेसरों की तरह सेवा अवधि, शोध कार्य और उपलब्धियों के आधार पर समयबद्ध पदोन्नति की व्यवस्था होनी चाहिए।

बंटी नागर सुसाइड मामला

एसीपी ने कहा बंटी के घर जाकर परिजन के बयान लेंगे

भास्कर संवाददाता | इंदौर

रियल एस्टेट कारोबारी बंटी उर्फ संदीप नागर के सुसाइड केस में उनके परिजन अब तक पुलिस को अपने बयान दर्ज नहीं करवा सके हैं। पुलिस आत्महत्या के दिन से बयान के लिए प्रयास कर रही है। वहीं बंटी का मोबाइल लॉक भी अब तक नहीं खुला है।

बंटी की सीडीआर, बैंक खातों, दस्तावेज और वर्तमान में चल रहे प्रोजेक्ट से जुड़े कागजात की जांच की जा रही है। संयोगितागंज एसीपी नीति दंडोतिया ने बताया, हमारी टीमें पत्नी अपर्णा, बड़े भाई और बेटे से संपर्क कर बयान दर्ज करवाने का प्रयास कर रहे हैं। हर बार परिवार वाले बहाना कर टालमटोल कर रहे हैं। रविवार को मैं खुद घर जाकर बयान के लिए संपर्क करूंगी। परिवार के बयान बाद ही बंटी के कारोबार से जुड़े लोगों को हम बुला सकेंगे।

गोदाम से 15 लाख रुपए के पटाखे पकड़े, 69 बॉक्स जब्त

इंदौर | आजाद नगर पुलिस ने पालदा नाका क्षेत्र में एक मकान में दबिश देकर अवैध रूप से रखे पटाखों का जखीरा पकड़ा है। मकान से पटाखों के 69 बॉक्स मिले हैं, जिनकी कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई गई है। पटाखे मकान में बिना अनुमति और सुरक्षा इंतजामों के रखे गए थे, जो आसपास के लोगों के लिए खतरा बने हुए थे। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान पालदा नाका निवासी कृष्ण गोपाल खंडेलवाल (54) के मकान में बड़ी मात्रा में पटाखे मिले हैं। किशन के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

मैनेजमेंट फंडा



एन. रघुरामन
मैनेजमेंट गुरु, raghu@dbcorp.in

कुछ दृश्य हमारी यादों में अमिट होते हैं, वे फिल्माए नहीं जाते

जीवन में कुछ दृश्य ऐसे होते हैं, जिन्हें फिल्माने की जरूरत नहीं होती। वे बस वहां मौजूद होते हैं और उन्हें हम देख भर लेते हैं। फिर भी वे सालों तक, कभी-कभी तो जीवनभर हमारे साथ बने रहते हैं। वह भी ऐसा ही एक दृश्य था। मैं उसे कभी नहीं भूलूंगा।

1995 का साल था। मैं काम से घर लौटा ही था कि मैंने अपनी लगभग चार साल की बेटी को अकेले बोर्ड गेम खेलते देखा। वह बोर्ड के एक छोर से दूसरे छोर तक कूदती, कभी अपनी तरफ से खेलती तो कभी अपनी काल्पनिक पार्टनर की तरफ से। वह ऐसा दृश्य है जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता।

मेरी आंखें भर आईं। कुछ समय पहले तक दिन भर उसके साथ खेलने के लिए एक पार्टनर हुआ करती थीं। लेकिन पिछले दो महीनों से वे उसके साथ नहीं थीं। वे उसकी दादी थीं। अब बच्ची अकेली रह गई थी। मैंने तुरंत साबुन से हाथ धोए, फर्श पर बैठा और उसके साथ खेलने लगा। उसका पूरा ध्यान बोर्ड पर था। हर बार पांसा फेंकने पर वह उत्साह से चीख उठती। मैं भी उसके साथ चीखता, लेकिन मेरी कमीज धीरे-धीरे आंसुओं से भीगती जा रही थी।

मेरी पत्नी ने अचानक रसोई का काम समेटा और दो बॉउल लिए हमारे पास आकर बैठ गईं। खाना वही था- दही-चावल- लेकिन दोनों के लिए अलग तरह से बनाया गया था। बेटी के बॉउल का दही-चावल अच्छी तरह से मसल दिया गया था, वहीं मेरे बॉउल में कुछ और चीजें भी मिली हुई थीं। हम दोनों को बार-बार पांसा फेंकना था, इसलिए हाथों से खाना संभव नहीं था। तब मेरी पत्नी ने तय किया कि वह अपने बच्ची और एक ऐसे 35 साल के बच्चे- जिसने हाल ही में अपनी मां को खोया था- दोनों को अपने हाथों से खिलाएगी।

संडे स्पेशल

हर बार जब बेटी को कौर खिलाया जाता, हम ताली बजाते। हर बार जब पत्नी मुझे खिलाती, हमारी आंखें मिलतीं। उसकी आंखें जैसे कह रही थीं, मैं तुम्हारी पीड़ा समझती हूं। प्लीज शांत हो जाओ। लेकिन जिसे खिलाया जा रहा था, उसकी आंखों में अकथनीय पीड़ा थी। मुझे नहीं मालूम, कौन-सी पीड़ा ज्यादा थी। क्या वह मां को खोने की पीड़ा थी? या उस मासूम बच्ची को अकेले खेलते देखने की, जो यह नहीं जानती थी कि उसकी प्रिय पार्टनर अब कभी वापस नहीं आएंगी? या फिर उस पिता का डर ज्यादा बड़ा था, जो सोच रहा था कि अगर बेटी ने अचानक पूछ लिया मेरी पार्टनर कब वापस आएगी- तो वह क्या जवाब देगा?

मेरे पास कोई जवाब नहीं था। शायद हममें से किसी के पास नहीं था। उस शाम बोर्ड गेम, पांसे, दही-चावल, एक-दूसरे को खिलाना और आंखों की वे खामोश मुलाकातें उस क्षति से निपटने का हमारा तरीका बन गईं, जिसे हममें से कोई भी शब्दों में समझा नहीं सकता था। उस प्यार, स्पर्श, एक-दूसरे को खिलाने और आंखों के मिलने का नतीजा बहुत सरल था। आंसू। सिर्फ आंसू।

शुक्रवार की रात मुझे यह सब याद हो आया, जब मैं एक ऐसे कार्यक्रम में था, जिसमें तीन अलग-अलग दुनिया की तीन दिग्गज हस्तियां मौजूद थीं- अमिताभ बच्चन, गुलजार और सचिन तेंदुलकर। एक भारतीय सिनेमा की आवाज और चेहरा हैं, दूसरे उसके कवि-दार्शनिक और तीसरे क्रिकेट के सबसे चहेते सितारे। लेकिन वह कार्यक्रम न फिल्मों के बारे में था, न कविता के बारे में और न क्रिकेट के बारे में। वह भावनाओं से भरा हुआ था और मैंने वहां के कई दृश्य अपने भीतर दर्ज किए। इन्हीं में से एक दृश्य उन दादा- डॉ. पी. जगन्नाथ से जुड़ा था, जो मशहूर सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट हैं। उनकी किताब के विमोचन कार्यक्रम में ही ये हस्तियां पहुंची थीं। मंच पर तीन-तीन दिग्गजों के होने के बावजूद वे अपने दस साल से भी छोटे पोते-पोतियों- इवान और वियाना को अगर ज्यादा नहीं तो कम से कम उतनी ही अहमियत दे रहे थे। इन बच्चों ने ही ऑडियंस के सामने अपने दादा को इंट्रोड्यूस किया कि उन्होंने कैसे 'ब्लू' नाम दिया। मेरे जैसा कोई आम आदमी इन दिग्गजों की मौजूदगी में होने पर गर्व से फूला न समाता, लेकिन उन डॉक्टर के लिए ऐसा नहीं था। उन्होंने अपनी हर सफलता से पहले अपने परिवार, खासकर अपने पोते-पोतियों को रखा था।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए **QR कोड** को स्कैन करें।

फंडा यह है कि जरूरी नहीं कि जिंदगी में सबसे ज्यादा मायने रखने वाले लोग सबसे बड़े मंच पर खड़े हों। वे आपके पास बैठे वे छोटे भी हो सकते हैं, जो आपका ध्यान पाने का इंतजार कर रहे हों। आप जिंदगी में कितनी भी ऊंचाई तक पहुंच जाएं, सफलता की असली कसौटी यही है कि क्या आप अब भी झुककर किसी बच्चे का हाथ थाम सकते हैं।

दिल्ली-मुंबई की तर्ज पर 25 एकड़ में बनेगी एयरोसिटी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

इंदौर विकास प्राधिकरण (IDA) ने सुपर कॉरिडोर और एयरपोर्ट के बीच प्रीमियम क्लास एयरोसिटी के विकास की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित होने वाली यह एयरोसिटी लगभग 25 एकड़ में आकार लेगी। इसके विकास से सुपर कॉरिडोर व इकोनॉमिक कॉरिडोर को नई गति मिलेगी और आईटी व फिन-टेक कंपनियों का निवेश बढ़ेगा।

एयरोसिटी निर्माण के लिए IDA बोर्ड ने 51 करोड़ की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है, जिसके टेंडर भी कर दिए हैं। अधिकांश भूमि सरकारी होने के कारण विकास कार्य में बाधा नहीं आएगी। यह जमीन IDA को कॉरिडोर पर टीसीएस और इन्फोसिस के बदले प्राप्त हुई है। योजना के तहत दोनों कॉरिडोर को जोड़ने वाली लगभग 1.5 किलोमीटर लंबी और 225 फीट चौड़ी मुख्य सड़क के साथ-साथ 18 व 24 मीटर की अंदरूनी सड़कें बनाई जाएंगी।

लग्जरी होटल और कन्वेंशन सेंटर : एयरोसिटी में फाइव स्टार होटल, मल्टी-स्टोरी प्रीमियम ऑफिस स्पेस, रेस्तरां चेन और शॉपिंग सेंटर विकसित किए जाएंगे। इसी के समीप 'आवासीय योजना-172' में कन्वेंशन सेंटर और हाई-एंड रेजिडेंशियल सोसायटियों का काम भी शुरू होगा।

कार्यालय नगर परिषद् पुनासा जिला-खण्डवा (म.प्र.)

क्रमांक/न.प./निविदा/2026/820 — पुनासा, दिनांक 29.09.2026

//निविदा सूचना//

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण https://www.mptenders.gov.in पोर्टल की वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

क्र.	टेंडर क्रमांक / जारी दिनांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	EMD राशि	धरोहर राशि	कार्य अवधि
1	2026_UAD_540349_1	CONSTRUCTION OF GURJAR SAMAJ TEEN SHAD AT WARD NO. 15	13.87	13870/-	2000/-	3 Month
2	2026_UAD_540366_1	CONSTRUCTION OF COMMUNITY HALL AT WARD NO. 07	15.00	15000/-	2000/-	6 Month
3	2026_UAD_540371_1	CONSTRUCTION OF COMMUNITY HALL NEAR SHANI MANDIR AT WARD NO. 07	18.85	18850/-	2000/-	6 Month
4	2026_UAD_540382_1	CONSTRUCTION OF TEEN SHAD NEAR PURNESHWAR MANDIR AT WARD NO. 14	13.97	13970/-	2000/-	3 Month
5	2026_UAD_540386_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD AND DRAIN AT WARD NO. 07	31.57	23700/-	5000/-	3 Month
6	2026_UAD_540390_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD AND DRAIN AT WARD NO. 15	17.16	17165/-	2000/-	3 Month

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

(रूपेश पवार) अध्यक्ष नगर परिषद् पुनासा | (राजेन्द्र मालाकार) उपाध्यक्ष नगर परिषद् पुनासा | (मीराबाई राठौर) सभापति (निर्माण) नगर परिषद् पुनासा | (राजकुमार ठाकुर) मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर परिषद् पुनासा

बैंक ऑफ़ इंडिया

आंचलिक कार्यालय: पंडित माखनलाल चतुर्वेदी मार्ग, आनंद नगर, खण्डवा
फोन: 0733-2248183
ARD.Khandwa@bankofindia.co.in

अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना

ई-नीलामी विक्रय सूचना प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन, अधिनियम, 2002 के अधीन, हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना

अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई--नीलामी विक्रय सूचना आम लोगों को और विशेष रुप से उधार लेने वालेध्जमानतदारों को यह नोटिस दिया जाता है कि निम्न वर्णित सारणी के कॉलम 3 में उल्लिखित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार (बैंक ऑफ इंडिया) के पास गिरवी /प्रभारित है, जिसका सांकेतिक/भौतिक कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जहां है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 2 में उल्लिखित ऋणी एवं जमानतदारों से बैंक ऑफ इंडिया (प्रतिभूत लेनदार) की निम्नलिखित तालिका के कॉलम 4 में उल्लिखित राशि की वसूली हेतु दिनांक 27.10.2026 को बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य एवं जमा योग्य अग्रिम धनराशि तालिका के कॉलम 6 व 7 में क्रमशः दी गई है।

ई-नीलामी दिनांक 27.10.2026 को प्रातः 11.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक

शाखा का नाम (1)	ऋणी/जमानतदार का नाम (2)	संपत्ति का विवरण व स्वामी का नाम (3)	मांग सूचना 13(2) के तहत मांग सूचना दिनांक व बकाया राशि (4)/ अधिपत्य की दिनांक व प्रकार (5)	आरक्षित राशि (रु.) (6) धरोहर राशि (ईएमडी)(7)
खण्डवा सिविल लाईंस शाखा, जिला खण्डवा	1. श्री शेख जुनेद पुत्र शेख अल्ताफ (आवेदक) और श्रीमती सीमा बेगम पत्नी शेख जुनेद (सह-आवेदक) पंड़ित रामनारायण वार्ड नं. 43, 149, आगरकर मार्ग, परदेशी पुरा, डॉ सुभाष जैन क्लिनिक के सामने, खण्डवा। 2. मेसर्स शिमला नारियल सप्लाई (प्रो. श्री शेख जुनेद) पंड़ित रामनारायण वार्ड नं. 43, 149, आगरकर मार्ग, परदेशी पुरा, डॉ सुभाष जैन क्लिनिक के सामने, खण्डवा।	संपत्ति का समस्त भाग मकान नं. 44, ब्लॉक नं. 41, प्लाट नं. 90, वार्ड संख्या 45, अमर शहीद चंद्रशेखार आजाद वार्ड, सिद्धनाथ आगरकर मार्ग क्षेत्र, खंडवा तहसील और जिला खंडवा में स्थित, जिसका क्षेत्रफल 755 वर्ग फुटहै, संपत्ति मालिक: श्री शेखा जुनेद पुत्र शेखा अल्ताफ। सीमाएँ: पूर्व -गली, पश्चिम- मुंशी का घर, उत्तर- आम रास्ता, दक्षिण- गली।	08.01.2026 रु. 38,81,809.80 + ब्याज एवं अन्य खर्च 08.01.2026 रु. 25,21,430.21 + ब्याज एवं अन्य खर्च **कब्जा नोटिस** दिनांक 20.03.2026 सांकेतिक	रु. 51,10,200/- रु. 5,11,020/-

क्रेता के द्वारा स्टाम्प शुल्क, बिक्री प्रमाण पत्र शुल्क, पंजीकरण शुल्क, टी.डी.एस. सरकार को देय सभी वैधानिक बकाया, कर और दरों और संपत्तियों से संबंधित कोई अन्य खर्च, भीजूदा और भविष्य, दोनों के लिए देय होगा। बिक्री प्रमाण पत्र केवल सफल बोलीदाता के नाम से ही जारी किया जाएगा। ई--नीलामी सेवा प्रदाता की वेबसाईट https://baanknet.com बोलीकर्ता https://baanknet.com, नियम व शर्तों की अधिक जानकारी हेतु शैक्षणिक वीडियो के साथ देख सकते हैं। बोलीकर्ता को पूर्व में ही बोली पंजीयन की सभी औपचारिकताएं पूर्ण करना अनिवार्य है। नीलामी से संबंधित सभी जानकारी ई--नीलामी दिनांक से पहले ही प्राप्त कर लेने की सभी जवाबदारी बोलीकर्ता की रहेगी।

ए. सफल बोलीकर्ता को घोषणा के तुरंत बाद बिक्री मूल्य का 25% (पहले से भुगतान की गई ईएमडी घटाकर) जमा करना होगा।
बी. नीलामी- बिक्री की कार्यवाही में बैंकिंग लेनदेन का समय समाप्त होने के पश्चात, खरीद मूल्य का 25% (पहले से भुगतान की गई ईएमडी घटाकर) अगले कार्य दिवस तक जमा कराना होगा।
सी. बिक्री मूल्य की शेष राशि का भुगतान बिक्री की दिनांक से 15 वें (पंद्रहवें) दिन को या उससे पहले या ऐसी अवधि, जिसे प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कारण दर्ज कर बढ़ाया गया हो, के भीतर जमा किया जाना होगा।
डी. उपर उल्लिखित अवधि के भीतर भुगतान न करने पर, जमा और बयाना राशि जब्त कर ली जाएगी और संपत्ति को फिर से बेच दिया जाएगा।
इ. सफल बोलीकर्ता की यह जिम्मेदारी होगी की आयकर अधिनियम की धारा 194-IA के तहत लागू 1% की दर से टीडीएस जमा करना होगा, यदि इस तरह के प्रतिफल के लिए जमा या भुगतान की गई राशि का योग रु. 50 लाख या अधिक है। टीडीएस को फार्म 26फठ आनलाईन भरकर जमा कराना होगा और टीडीएस सर्टिफिकेट फार्म 16बी में जारी करना होगा। खरीदार को सरकारी खाते में आयकर जमा करने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
एफ. बोली केवल ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत की जाएगी।
जी. प्राधिकृत अधिकारी का उक्त ई--नीलामी को बिना किसी कारण बताए रद्द करने का सर्वाधिकार सुरक्षित रहेगा।
एच. आरक्षित मूल्य से कम से कम एक वृद्धि राशि जोड़ने पर ही बोली स्वीकार होगी।
आई. नीलामी आरक्षित मूल्य पर शुरू होगी। बोलीदाताओं को उपरोक्त संपत्ति के लिए 10,000.00 रुपये (दस हजार रुपये) के वृद्धिशील मूल्य के गुणकों में अपने प्रस्तावों में सुधार करना होगा।

दिनांक: 03.10.2026 — **प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया**

कार्यालय नगर पालिका परिषद् आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.)

anagarpalika3@gmail.com

क्र./ 1743/ न.पा./ लो.नि.वि. / 2026-27 — आरंग, दिनांक 01/10/2026

// तृतीय ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य की ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र	सिस्टम टेंडर नम्बर	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाख में)	आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	200859	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of Operation and Maintenance of The Entire System in Municipal CouncilArangunder SBM 2.0	573.48	13.10.2026

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति तथा निविदा दस्तावेज के संबंध में आवश्यक जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् आरंग

कार्यालय नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

पृष्ठां.क्र./ई-टेण्डर/732/2026 — **'संक्षिप्त निविदा विज्ञप्ति'** — मुरैना, दिनांक- 25.09.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है । निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2026_UAD_539477_1 23.09.2026	रामनगर चौराहे से मुडियाखेडा होते हुऐ गंजरामपुर हनुमान मंदिर तक सी.सी. रोड़ एवं दोनों तरफ आर.सी.सी. कवर्ड नाला निर्माण कार्य ।	1. 05 माह 2. 5.81 करोड़	1. 20000/- 2. 290580/-	14.10.2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

आयुक्त
नगरपालिक निगम मुरैना (म.प्र.)